आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

कुल पेज 20 राजस्थान मूल्य ₹ 4.50

DainikBhaskar.com जयपुर मंगलवार, 12 नवंबर, 2024 12 राज्य | 61 संस्करण

शेखावाटी भास्कर

चिड़ावा • पिलानी • उदयपुरवाटी • सिंघाना • खेतड़ी

दैनिक भास्कर झुंझुनूं, मंगलवार, 12 नवंबर, 2024 | 14

सीरी के जयपुर परिसर में हुआ विज्ञान महोत्सव इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 2024 का कर्टन रेज़र

आईआईटी-गुवाहाटी में होगा चार-दिवसीय विज्ञान महोत्सव आईआईएसएफ-2024

भास्कर न्यूज | पिलानी

आईआईटी-गुवाहाटी में आगामी 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक किए जाने वाले विज्ञान महोत्सव इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 2024 का कर्टन रेजर सीएसआईआर-सीरी के जयपुर परिसर में किया गया। कर्टन रेजर कार्यक्रम ने भारत के वैज्ञानिक समुदाय को 2047 तक देश को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के महत्वपूर्ण लक्ष्य की ओर प्रेरित किया। इस आयोजन में नवाचार, प्रौद्योगिकी और सामुदायिक भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा और विशिष्ट अतिथि के रूप में विज्ञान

पिलानी. कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिक व अन्य।

भारती, राजस्थान के सचिव डॉ. मेघेन्द्र शर्मा उपस्थित थे। अध्यक्षता डॉ. पी सी पंचारिया निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने की। आईआईएसएफ के समन्वयक, सीएसआईआर- एनआईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम के निदेशक डॉ. सी. आनंदरामकृष्णन ने सीएसआईआर की भारत में प्रभावी वैज्ञानिक कार्यक्रमों के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने इस वर्ष की प्रेस्क थीम, \'भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संचालित वैश्विक निर्माण केंद्र में बदलना, पर जानकारी दी। इससे पूर्व सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया ने स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन दिया। विशिष्ट अतिथि एवं विज्ञान भारती राजस्थान के सचिव डॉ. मेघेन्द्र शर्मा ने बताया कि आईआईएसएफ एक ऐसा मंच है जो परंपरा और नवाचार के बीच संतुलन बनाता है। कार्यक्रम का समापन सीएसआईआर-सीरी जयपुर कैंपस के प्रभारी वैज्ञानिक श्री साईं कृष्ण वड्डादि द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय चटर्जी ने किया। कार्यक्रम में आरटीयू, कोटा के कुलपति प्रोफेसर एस.के. सिंह, उदयपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे.पी. शर्मा; आईसीएआर-सीआईएएच, बीकानेर के निदेशक डॉ. जगदीश राणे; आईसीएआर के पूर्व उपमहानिदेशक और डीयूवीएएस विश्वविद्यालय, मथुरा के पूर्व कुलपति प्रोफेसर केएमएल पाठक; आईसीएआर-रैपसीड-मस्टर ड रिसर्च निदेशालय, भरतपुर के निदेशक डॉ. पी.के. राय सहित सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिक व तकनीकी कर्मचारी शामिल थे।